- 1. (1) इस बादेश का संकाल नाम उर्वरह (शिवंत्रण) (दूसर अंग्रान) प्रादेश 1988 है।
- (2) यह राजपन्न में प्रकाशन की तरीज को अवृत हागा।

2. उर्बरक (तियंत्रण) श्रादेश. 1985 की अनुपूची- 1 में, "भाग-क उर्दर में के वितर्वेस"; शीर्षक और "1(भ) एन पी. उर्बरक" उपशोर्षक के अबीन "मोनी अनितियम फाल्फीट (11-53-0)" से प्रविद्धि कन संबर्धक 11 और उसकी प्रविद्धियों के प्रवृत्त मुनित्निक स कम संवर्धक और प्रविद्धियों धरकस्थाति की जाएँगो, वर्षाहु--

खरक का न.म वितिषेत 1 2
- "12 न बहुँकास्केट (1) भार के प्राधार पर आर्ज का प्रतिकात, प्रधिकतम
- 23:23:0 1.5

- (2) मार के आखार पर नाइट्रोजन का गुन प्रतिसत, स्नूननम 23.0
- (3) भार के प्राधार पर प्रतिनात के उनमें नाइद्रोजन । का प्रतिगत, स्पूनतम 11.5
- (4) भार के आधार पर नाइहेट के रूप में नाइट्रोजन का प्रति-शत, प्रधिकतम 11.5
- (5) भार के भाषार पर निष्कित जनोतिशन मिट्रेंट विलेष फास्केट का (∑8 O5 के एन में) प्रक्षियत, न्यूततम 23.0
- (6) भार के प्राचार पर जा निवेद फाल्केट का ($P_2 = O_5$ के क्य में) प्रतियक्ष, स्पूत्रम 18.5
- (7) भार के आधार पर कैलिययन नाइट्रेड का प्रतियत, प्रविकतम 1.0
- . (8) मालर कम ; 90 मिता परार्थ 4 एम एम भारतीय मानल छनता में से छन जाए।। और 1 एम रन मारतीय मानल छनता में रह जाएता । 5 मोता से बनायित 1 एम एन मारतीय मानल छनता से कम होगी।"

[सं. 1-4/88 उर्गरह विवि]

जि. रंगा राज, संगुक्त सनिव

टिप्पणः वर्षरक (नियंद्रण) पादेश, 1985 सा.का.नि. 758 तारीख 25 सितम्बर, 1985 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

- (2) उर्वरक (नियंत्रण) भावेश, 1985 की भनुभूषी-1, भाग क का संशोधन निम्नलिखित द्वारा किया गमा:---
 - (1) सा.का.नि. 201(प) सारीख 14 फरवरी, 1986
 - (2) सा.का.नि. 1160 (भ्र) तारीख 21 भक्तुबर, 1986
 - ं (3) का.चा. 822 (घ्र) तारीख 14 सिशम्बर, 1987
 - (4) का.मा. 1079 (भ)तारीख 11 विसम्बर, 1987
 - (5) का.भा. 252(भ) तारीब 11 मार्च, 1988

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 28th July, 1988.

ORDER

- S.O.724(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Fertiliser (Control) Order, 1985, namely:—
 - 1. (1) This order may be called Fertiliser (Control) (Second Amendment) O.der, 1988.
 - (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In Schedule I to the Fertiliser(Control) Order, 1985, under the heading "Part-A. Specifications of fertilisers" and sub-heading "I(d) N.P. Fertilisers", after serial number 11 relating to "Mono ammonium phosphate (11-52-0)" and the entries thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely:—

Name of Fertiliser	Specifications
1	2
"12. Nitrophosphate 23:23:0	 (i) Moisture percent by weight, maximum. 1.5 (ii) Total Nitrogen percent by weight, 23.0 minimum.

THE GAZETTE OF INDIA	: EXTRAORDINARY PART 11-5	BC. 5(11/1
1	2	
(iii)	Nitrogen in ammonical form, percent by weight, minimum.	11.5
(iv)	Nitrogne in nitrate form percent by weight, maximum.	11.5
(v)	Neutral ammonium citrate soluble phosphate (as P ₂ O ₅), percent by weight, minimum.	23.0
· (vi)	Water soluble phosphate as P ₂ O ₅ percent by weight, minimum.	1,8.5
(vii)	Calcium nitrate percent by weight, maximum,	1.0
·(vii	Particle size: 90% of the material shall pass through 4 mm is Sieve and be retained on 1 mm is Sieve. Not more than 5 percent shall be below 1 mm is Sieve.	
	(iii) (iv) (v) (vi)	 (iii) Nitrogen in ammonical form, percent by weight, minimum. (iv) Nitrogne in nitrate form percent by weight, maximum. (v) Neutral ammonium citrate soluble phosphate (as P₂O₅), percent by weight, minimum. (vi) Water soluble phosphate as P₂O₅ percent by weight, minimum. (vii) Calcium nitrate percent by weight, maximum. (viii) Particle size: 90% of the material spass through 4 mm is Sieve and be retained on 1 mm is Sieve. Not more than 5 percent shall be

[No.1-4/88-Fert. Law]

G. Ranga Rao, Jt. Secy.

- NOTE: The Fertiliser (Control) Order, 1985 was published vide G.S.R. 758
 (E) dated 25th September, 1985.
 - (2) Schedule I, Part A of the Fartiliser (Control) Order, 1985, was amended vide:—
 - (i) G.S.R. 201(E) dated 14th February, 1986.
 - (ii) G.S.R. 1160(E) dated 21st October, 1986.
 - (iii) S.O. 822(E) dated 14th September, 1987.
 - (iv) S.O. 1079(E) dated 11th December, 1987.
 - (v) S.O. 252(E) dated 11th March, 1988.



असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-**५ण्ड** (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सा॰ 378] No. 378] न हे दिल्ला, ब्रुहारिबार, जुलाई 23, 1988/आजन 6, 1910

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 28, 1988/SRAVANA 6, 1910

इस भाग में भिन्त पृष्ठ सं**रथा की काली हैं जिससे कि यह** असग संकलन को रूप में **रखा जा सक**े

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कुचि मंत्रासय

(श्रुवि और सहकारिता विमाग)

म**ई दिल्ली, 28 जुलाई, 198**8

परादेश

का. मा. 725(म).—केन्द्रीय तरकार, भावश्यक बस्तु ग्राधिनिधम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदेस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उर्थरक (भियंत्रक) साधेश, 1985 का ग्रीर संशोधन करने के लिए भिम्नसिबित भादेश करती है, प्रथात्:—

- 1. (1) इस प्रावेश का संक्षिप्त नाम उर्जरफ (नियंत्रण) (तीसरा संसो-धन) ग्रावेश, 1988 है।
 - (2) यह राजपक्ष में प्रकाशन की सारीश को प्रवृत्त होगा।
- 2. जर्बरक (निमंश्रण) ग्राहेत, 1935 जिमे इतमें इसके पश्चात् जन्त ग्रावेश कहा भया है के खंड 2 में,....
 - (i) उपर्यंड (घ) में "स्रावश्यक पायप" शक्वों का सोप थिया काएगा।
 - (ii) उपखंड (छ) का लोप किया आएगा।

- (iii) उप खंड (ज) के स्थान पर निम्नलिखित उप **खंड रखा जाएना** अर्थात:---
 - (ज) "उर्बर्क्स" से कोई ऐसा पदार्व ध्रमिन्नेत हैं तो मृदा और/धा फसल के उर्बर्क के क्य में उपयोग कि त जाता है वा जिलका उपयोग कि त जाता है वा जिलका उपयोग कि वा जाता प्रावाधित है छोर ध्रमुं अंत्र ध्रमुं अंतिविद्य है और ध्रमुं उर्बरकों का निश्रण, सूक्षम पोषक उर्बरकों का निश्रण और उर्बरकों का विश्रेष निश्रण सम्मिलित है",
- (iv) उप कांड (अ) के स्थान पर निस्तिलियन उन लंड रला जाएगा अर्थात्:---
 - (अ) "श्रेणी" ने प्रतितातता के रूप में अभिष्यस्त अर्थरक के पोषक तत्व अभिन्नेत हैं,
- (∨) उपकांड, (ट) में,

- (क) "वो या मधिक आवश्यक पादन योगक म्रान्तिकट हैं" शक्यों का लोग किया किएगा,
- (ख) "उर्वरक सामग्री" शस्त्रों के स्नातपर "उर्थरकों" शस्त्र रका जाएगा,